

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:30.04.2024

उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2023-04-26 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

| मौसम कारक | 01/05/2024 | 02/05/2024 | 03/05/2024 | 04/05/2024 | 05/05/2024 |
|-------------------------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| वर्षा (मीमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 38.0 | 37.0 | 37.0 | 37.0 | 38.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 18.0 | 18.0 | 18.0 | 19.0 | 20.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%) | 65 | 65 | 65 | 65 | 65 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%) | 30 | 30 | 30 | 30 | 30 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 14 | 10 | 8 | 10 | 12 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 270 | 270 | 270 | 270 | 270 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 1 | 7 | 3 |

सम सारांश / चेतावनी:

पिछले सप्ताह (23 से 29 अप्रैल) कोई वर्षा दर्ज नहीं की गई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 37.2 से 40.5 और 16.2 से 22.9 के बीच रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 51-77% और 12-19% के बीच रही। हवा पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम से 2.8-8.3 किमी प्रति घंटे की गित से चली। पिछले सप्ताह मौसम साफ था और कुछ दिन हवा के साथ-साथ बादल देखे गए। आगामी पूर्वानुमान में वर्षा की कोई भविष्यवाणी नहीं दिखाई गई है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 37.0-38.0oC और 18.0-20.0oC के बीच भिन्न होने की उम्मीद है। 8-14 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम दिशा से हवा चलने की आशंका है। आगामी सप्ताह के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकारः

किसान मौसम विज्ञान और बिजली के आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर और खरपतवार नष्ट हो जाएं। किसान मौसम विज्ञान और बिजली के आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से उपलब्ध "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एनडीवीआई क्षेत्र में मध्यम कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित सीमा पूर्वानुमान 26.04.2024 से 02.05.2024 के दौरान अत्यधिक वर्षा, सामान्य अधिकतम और सामान्य न्यूनतम तापमान से नीचे की प्रवृत्ति को दर्शाता है। गेहूं तथा अन्य फसलों की कटाई के बाद हरी खाद देनी चाहिए और मिट्टी के अनुसार ढैंचा 50-60 किग्रा/हेक्टेयर तथा सनई 80-90 किग्रा/हेक्टेयर की दर से बोकर किया जा सकता है। रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों की गहरी जुताई करनी चाहिए तािक कीड़ों के अंडे और खरपतवार नष्ट हो जाएं। चूँकि पूर्वानुमानित स्थितियाँ शुष्क हैं इसलिए उचित सिंचाई का प्रयोग नियमित रूप से किया जाना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, शुष्क मौसम बने रहने की उम्मीद है, इसलिए खेतों में नमी बनाए रखने हेतु आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाहः

| फ़सल | अवस्था | फ़सल विशिष्ट सलाह | | |
|------------|-----------|---|--|--|
| सूरजमुखी | पुष्पन | फसल में फूल आने/बीज बनते समय आवश्यकतानुसार नियमित रूप से | | |
| | | सिंचाई करनी चाहिए तथा नियमित निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। | | |
| ढैंचा | बुआई | रबी फसल की कटाई के बाद खेतों में हरी खाद उगानी चाहिए तथा | | |
| | | ढेंचा/सुनई की बुआई करनी चाहिए। | | |
| गन्ना | वानस्पतिक | निराई-गुड़ाई के साथ नियमित सिंचाई करनी चाहिए। | | |
| चारा ज्वार | बुआई | चारा ज्वार की बुआई की जा सकती है तथा बुआई के बाद सिंचाई करनी | | |
| | | चाहिए | | |
| चारा मक्का | वानस्पतिक | सिंचाई करनी चाहिए तथा सिंचाई के बाद 3-4 दिन के अंतराल पर यूरिया | | |
| | | की टॉपड्रेसिंग करनी चाहिए। | | |

बागवानी विशिष्ट सलाहः

| बागवानी | अवस्था | बागवानी विशिष्ट सलाह | |
|--------------|------------------|---|--|
| लोबिया | बुआई | लोबिया की अधिक उपज देने वाली प्रजातियाँ बोनी चाहिए। | |
| अदरक | बुआई | बुआई से पहले खेत में सिंचाई करनी चाहिए और अदरक की बुआई करनी चाहिए। | |
| अरबी | बुआई | अगेती किस्मों की बुआई इस महीने की जा सकती है। | |
| कद्दू वर्गीय | वानस्पतिक/फलदायी | कद्दूवर्गीय (कद्दू वर्गीय सब्जियों) फसल में पत्ती धब्बा रोग लगने पर | |
| सब्जियों | | मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल का छिड़काव करना | |
| | | चाहिए। | |
| बैंगन | वानस्पतिक | फसल में हल्की सिंचाई, निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। | |
| भिंडी | वानस्पतिक | आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें। | |

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|-----------|--|
| गाय/ भैंस | यदि दुधारू पशुओं में मास्टिटिस के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत इसका इलाज कराएं। पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था का पर पूरा ध्यान दिया जाए। पीने के नालों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी पिलाना चाहिए। गर्मी की लहरों से बचने के लिए उचित वेंटिलेशन प्रदान करें। |

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाहः

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|------------------------------|---|
| सामान्य | रबी फसलों की कटाई के बाद, खेतों को अच्छी तरह से साफ किया जाना चाहिए, हानिकारक |
| सलाह | कीड़ों, उनके चरणों और हानिकारक खरपतवारों को नष्ट करने के लिए गहरी जुताई करनी चाहिए। |